जैव विवधता प्रबंधन समिति की प्रशिक्षण कार्यशाला का समाचार कतरन : जिला अरवल

जैव विविधता प्रबंधन समिति ने लगाया प्रशिक्षण शिविर, उद्देश्यों पर हुआ विमर्श

भास्कर न्यूज | अरवल

बिहार राज्य जैव विविधता परिषद, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और औरंगाबाद वन प्रमंडल के सहयोग से गुरुवार को अरवल इनडोर स्टेडियम में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण स्थानीय प्रखंड और जिला स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समितियों के अध्यक्षों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता अधिनियम, 2002 और उसकी संशोधित नियमावली का परिचय देते हुए जैव विविधता प्रबंधन समितियों के उद्देश्यों, उनके कार्यों और लोक जैव विविधता पंजी के निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में जैव विविधता संरक्षण, उसके घटकों के सतत उपयोग और अनुवांशिक संसाधनों से उत्पन्न लाभों के न्यायसंगत वितरण पर विशेष जोर दिया गया। वन पदाधिकारी ने बताया कि इस तकनीकी सत्र से जैव विविधता प्रबंधन समितियों की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही, विरासत वृक्षों के सर्वेक्षण और स्थानीय आबादी के बीच जागरूकता फैलाने में मदद मिलेगी। डीएफओ ने बताया कि इस प्रशिक्षण से पौधों, खाद्य स्रोतों, वन्यजीवों और औषधीय स्रोतों की जैव विविधता का पूर्ण प्रलेखन किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण शिविर में शामिल पदाधिकारी व अन्य।

...का आयोजन, संयुक्त निदेशक ने हुए शामिल

जैव विविधता की जानकारी से लैस होना जरूरी: उपनिदेशक

- कार्यशाला में सभी जैव विविधता समितियों के अध्यक्ष और सदस्य भी हुए शामिल
- वन विभाग के अधिकारियों ने पौधों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई

औरंगाबाद, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के द्वारा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को दाउदनगर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जैव विविधता पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुमंडल स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन संयुक्त निदेशक हेमकांत राय, उपनिदेशक मिहिर झा एवं पीसी भगत, वनों के क्षेत्र पदाधिकारी मनोज कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। वन विभाग के अधिकारियों ने पेड़ पौधों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। औरंगाबाद वन प्रक्षेत्र द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हेमकांत सय ने पौधों के संरक्षण से संबंधित जानकारी दी। जैव विविधता पर खुलकर चर्चा की गई। पंचायत प्रतिनिधियों को जैव विज्ञान के बारे में जानकारी दी गई। पेड़ों की नस्लों की पहचान के साथ ही उनसे होने वाले लाभ और जीव जंतुओं के बारे में बताया गया। कहा गया कि पेड़ पौधों का संरक्षण आवश्यक है। औरंगाबाद जिले में कई ऐसे पेड़ पौधे हैं जिनसे लोगों को सीधा लाभ होता है। विभिन्न वनस्पतियों की पहचान के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा जीव जंतुओं के बारे में भी बताया गया। कैसे जीव जंतु पर्यावरण के लिए सहायक हैं और उनके संरक्षण के बारे में किस स्तर पर काम होना चाहिए, इसकी जानकारी दी गई। कहा गया कि वन विभाग का यह पूरा प्रयास रहा है कि हरित क्षेत्र बढ़े तथा पर्यावरण में संतुलन हो लेकिन इसमें स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस अवसर पर चंदन कुमार, पुष्प माला, सुषमा साह, मोहम्मद शब्बीर, पप्पू कुमार, प्रिंस कुमार, कुंदन कुमार, विकास कुमार, चित्रकला कुमारी, राधा कुमारी सहित कई लोग उपस्थित रहे। मंच का संचालन वनरक्षी शालू श्रीवास्तव ने किया।

शुक्रवार को दाउदनगर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित संयुक्त निदेशक हेमकांत राय, उपनिदेशक मिहिर झा, पीसी भगत।

त्रिवे

सावधान!

मैसर्स अमित र
अलमीरा बेची जा र
को सचेत किया ज
केवल दो चार ओ
रखते हैं और नकली
हैं, जो कि ये Trive